

भारत की पहली मशीन



NHBH

NIMS HEART & BRAIN HOSPITAL
(A UNIT OF NIMS UNIVERSITY)

राजस्थान की पहली मशीन

क्यों जरूरी है अपने HEART की जाँच करवाना ?

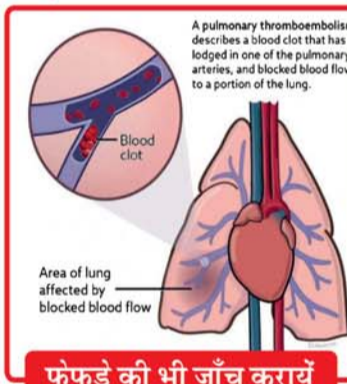
- आप नियमित रूप से अपना ब्लड शुगर, ब्लड कॉलेस्ट्रॉल की जाँच इसलिए करवाते हैं जिससे कि अन्य बीमारियों के अलावा हार्ट और ब्रेन (दिमाग) की नसों की जानकारी भी मिल जाये क्योंकि इन नसों में कोलेस्ट्रॉल एवं थक्का जमा हो जाता है जिससे नसें संकरी (नसों का ल्यूमन कम हो जाता है) हो जाती है। ल्यूमन कम होने से हॉर्ट अटैक बीमारी की संभावना बढ़ जाती है।
- ब्लड प्रेशर की जाँच नियमित रूप से इसलिए करवाना आवश्यक क्योंकि हाई Undiagnosed High Blood Pressure से अन्य बीमारियों के अलावा मस्तिष्क की नसें भी फट जाती है और लकवा होने की संभावना भी हो जाती है
- बहुत सी बड़ी कॉर्पोरेट कम्पनियाँ अपने कर्मचारियों का यह बॉडी चेकअप नियमित रूप से करवाती रहती हैं
- मेडिकल साइंस द्वारा भी ऐसी सलाह समाज के सभी व्यक्ति विशेष को दी जाती है कि इस तरह की जाँचे नियमित रूप से करवाते रहें जिससे कि हॉर्ट अटैक और ब्रेन की बीमारियों व अन्य बीमारियों का पहले से पता करके उचित समय पर इलाज किया जा सके।
- विदेशों में भी हर व्यक्ति अपनी जाँचें नियमित रूप से करवाते रहते हैं।
- 40 वर्ष से ऊपर के सभी व्यक्तियों के लिए यह चेकअप की सलाह अक्सर दी जाती है।
- हार्ट अटैक और ब्रेन में नसें फटने की जानकारी पहले से ही पता करके इनका इलाज करवा कर इस बीमारी को रोका जा सकता है।
- **आपने देखा-सुना होगा कि कोरोना होने के बाद आकस्मिक मृत्यु की दर बढ़ गयी है। इसके कई कारण हैं, जिसमें कुछ कारण निम्नलिखित भी हैं:**

Thromboembolic Phenomina (नसों में खून का थक्का जमा होना) से Blood Vessels (नसें) संकरी (Narrow Lumen) हो जाती है और कभी-कभी इनमें रक्त प्रवाह अचानक बंद हो जाता है। यदि हॉर्ट की नसों में ऐसा हो जाता है तो हार्ट अटैक हो जाता है और अगर ब्रेन (दिमाग) की नसों में ऐसा हो जाएगा तो यह ब्लड (खून) के प्रवाह को रोक देगा जिससे ब्रेन की नस फट जाएगी और मनुष्य को लकवा होने की संभावना हो जाती है।

उपर बतायी गयी जाँचे अप्रत्यक्ष (Indirect) तरीके से पता लगाने के लिए है:

अपनी हॉर्ट एवं ब्रेन की नसों एवं अन्य जानकारी को प्रत्यक्ष (Direct) रूप से पता लगाने के लिए हम हैं NHBH-

- आपके हार्ट की नसों की जाँच बिना चीर-फाड़, बिना ऑपरेशन, बिना बेहोश किये, बिना तार डाले (Conventional angiography) के बिना केवल 5 मिनट में करवाकर तुरन्त ही अपने हार्ट/दिमाग (ब्रेन) की रिपोर्ट ले जाकर, अपनी ड्यूटी या सामान्य जीवन की सभी एक्टिविटी सहज (Normal) रूप से कर सकते हैं।
- यदि आपको पहले से हार्ट में स्टेंट (छल्ला) लगा है या एंजियोप्लास्टी (बाईपास सर्जरी) हुई है तो अब हार्ट का स्टेंट/एंजियोप्लास्टी के बाद आपकी हार्ट की नसों की पेटेंसी की क्या स्थिति है। केवल 5 मिनट में - बिना चीर-फाड़, बिना ऑपरेशन, बिना बेहोश किये बिना तार डाले - अपने हार्ट का हाल 5 मिनट में करवाके एवं रिपोर्ट लेकर अपनी ड्यूटी / सामान्य जीवन के सभी एक्टिविटी सहज (Normal) रूप से कर सकते हैं।



Calcium Scoring:

- यह एक विशेष (Technique) तकनीक है, इसके द्वारा कोई भी व्यक्ति 20 वर्ष की उम्र से लेकर किसी भी उम्र तक केवल 1 मिनट में जान सकता है कि उसकी हृदय की धमनियों (खून की नलियों) में कितना हानिकारक कैल्शियम जमा हो रहा है - जिससे कि उसे हार्ट अटैक कि कितनी और कब तक होने की संभावना है, का पता चल सकता है। यह तकनीक बिना चीर-फाड़, बिना ऑपरेशन, बिना बेहोश किए एवं बिना कोई बॉडी में दवा डाले या बिना दवा खिलाये की जाती है एवं इस जाँच को करवाने के तुरंत 5 मिनट बाद अपनी रिपोर्ट लेकर अपनी ड्यूटी व जीवन की सारी एक्टिविटी सामान्य (Normal) रूप से कर सकता है।

हानिकारक कैल्शियम के जमा होने से जो हॉर्ट में ब्लॉक जमा होता है उसकी जानकारी से हॉर्ट का अटैक के होने की संभावना का पता पड़ता है।

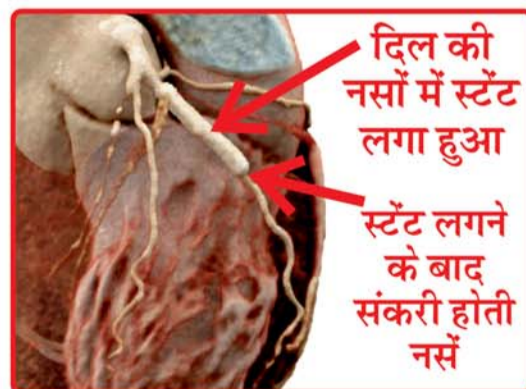
हानिकारक कैल्शियम के जमा होने से सक्की हुई हॉर्ट की घबरी

कोरोनरी आर्टरी कैल्शियम स्कोर

कोरोनरी आर्टरी में जमा हुआ कैल्शियम

कॉर्डिलेरी सीटी कैल्शियम स्कोर

सीटी स्कैन द्वारा हॉर्ट के अन्दर जमा हानिकारक कैल्शियम को पकड़ कर हॉर्ट बिना ऑपरेशन, बिना चीर-फाड़, बिना बेहोश किये, बिना किसी तार के एवं बिना किसी दवा के दिये



उच्च श्रेणी एवं गुणवत्ता की
Siemens Germany की टेक्नोलोजी



ड्यूल सोर्स-ड्यूल एनर्जी 384 स्लाइस सीटी
(राजस्थान में पहली)

क्यू-जेन-डी.एस.ए. एवं कैथ लेब
(भारत की पहली)

विश्वविख्यात एडवांसड 3-टी एम.आर.आई. सिस्टम*

एम्स-नई दिल्ली एवं पी.जी.आई. - चंडीगढ़ के विशेषज्ञों द्वारा संचालित

<p>प्रो. (डॉ.) संजीव शर्मा M.B.B.S., MD, DM (Cardiology) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) आयुर्विज्ञान एवं निदेशक -इंटरवैन्सुल रीडियोलॉजी विभाग, निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>	<p>प्रो. (डॉ.) संदीप मिश्रा M.B.B.S., MD, DM (Cardiology) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) आयुर्विज्ञान एवं निदेशक -कॉर्डिलेरी विभाग निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>	<p>प्रो. (डॉ.) एन. खण्डेलवाल M.B.B.S., MD, DM (Cardiology) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) निदेशक-कॉर्डिलेरी विभाग निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>	<p>प्रो. (डॉ.) कमलेश चौधरी M.B.B.S., MD, DM (Cardiology) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) निदेशक-कॉर्डिलेरी विभाग निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>	<p>डॉ. संदीप मुद्गल M.B.B.S., MD, DM (Interventional Radiology) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) निदेशक-कॉर्डिलेरी विभाग निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>	<p>डॉ. मनीष शर्मा M.B.B.S., MD, DM (Cardiology) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) निदेशक-कॉर्डिलेरी विभाग निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>	<p>डॉ. अमितेश नागरवाल M.B.B.S., MD, DM (Cardiology) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) निदेशक-कॉर्डिलेरी विभाग निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>	<p>डॉ. अनंद शर्मा M.B.B.S., MD, DM (Cardiology) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) निदेशक-कॉर्डिलेरी विभाग निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>	<p>डॉ. अविनाश प्रसाद MD FRCC (London) पूर्व प्रोफेसर, इन्-सर्विजिस विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi) निदेशक-कॉर्डिलेरी विभाग निस विद्यापीठालय राजस्थान, जयपुर</p>
--	--	---	---	--	--	--	--	--